संकलित परीक्षा - I (2015-16)

हिन्दी 'ब'

कक्षा - IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे **अधिकतम अंक : 90**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड** हैं - **क, ख, ग** और **घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध पत्रों में यह विज्ञापन निकला कि देवगढ़ के लिए एक सुयोग्य दीवान की ज़रूरत है। जो सज्जन अपने को इस पद के योग्य समझें, वे वर्तमान दीवान सुजान सिंह की सेवा में उपस्थित हों। यह ज़रूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हों मगर हृष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। मंदाग्नि के मरीजों को यहाँ तक कष्ट उठाने की कोई ज़रूरत नहीं। एक महीने तक उम्मीद्वारों के रहन-सहन, आचार विचार की देखभाल की जाएगी। विद्या कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। जो महाशय इस परीक्षा में पूरे उतरेंगे वे इस उच्च पद पर सुशोभित होंगे। इस विज्ञापन ने सारे मुल्क में तहलका मचा दिया। ऐसा ऊँचा पद और किसी प्रकार की कैद नहीं ? केवल नसीब का खेल है। सैकड़ों आदमी अपना-अपना भाग्य परखने के लिए चल पड़े। देवगढ़ में नए-नए और रंग बिरंगे मनुष्य दिखाई देने लगे आवश्यकता है -

(i) दूसरे दिन अखबार में विज्ञापन निकला देवगढ़ के लिए आवश्यकता हैं -

(क) सुयोग्य दीवान की (ख) सुयोग्य राजा की
(ग) सुयोग्य सहायक की (घ) सेनापति की

(ii) पद के लिए आवश्यक था कि उम्मीदवार -

(क) ग्रेजुएट हो (ख) हृष्ट-पुष्ट हो
(ग) प्रत्येक कार्य में निपुण हों (घ) धार्मिक कार्यों में पारंगत हो

(iii) मंदाग्नि के मरीजों को सलाह दी गई-

(क) अवश्य ही उपस्थित होने की। (ख) वहाँ तक न आने की।
(ग) यथासंभव उपस्थित होने की । (घ) अपना इलाज कराने की।

(iv) दीवान पद के लिए विचार किया जाना था विद्या की अपेक्षा -

(क) कर्तव्य पर। (ख) योग्यता पर।
(ग) कर्तव्य और योग्यता पर। (घ) धन की अधिक माँग पर।

(v) 'मुल्क' शब्द का पर्यायवाची नहीं है-

(क) देश (ख) वतन (ग) धरती (घ) राष्ट्र

2	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए।** 'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी' अर्थात् माता तथा मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर हैं-यह भावना जिस व्यक्ति में नहीं, वह पशु एवं पाषाण से भी निकृष्ट है। जहाँ जन्म लिया, पले-बढ़े, जहाँ चलना-दौड़ना, खेलना-हँसना आदि क्रियाएँ कीं, जहाँ का अन्न-जल ग्रहण करके बड़े हुए, जिसके कण-कण को गंदा-मैला-कलुषित किया और बदले में जिससे सदा स्नेह और पोषण मिलता रहा, यदि हमें उस 'माँ' (जन्मभूमि) से प्रेम नहीं तो धिक्कार है हमारे जीवन पर, धिक्कार है ऐसे व्यक्ति पर, जिसकी माता को शत्रु पददलित एवं अपमानित करने का प्रयत्न कर रहा हो, और वह सुख की साँस ले। ऐसा संभव ही नहीं। (i) जननी और जन्मभूमि को किससे बड़ा बताया है? (क) परिवार से (ख) देश से (ग) भगवान से (घ) स्वर्ग से (ii) वह मनुष्य पशु एवं पाषाण से निकृष्ट है जो : (क) माता और मातृभूमि को मानता है (ख) माता और मातृभूमि से प्रेम नहीं करता (ग) निज़ आचरण करता है (घ) जो उन्नती के मार्ग में रोड़े अटकाता है (iii) 'अन्न-जल' में समास है : (क) तत्पुरुष (ख) द्विगु (ग) द्वन्द्व (घ) कर्मधारय (iv) 'निकृष्ट' शब्द का अर्थ है : (क) खींचा हुआ (ख) बहुत गिरा हुआ (ग) सदाचारी (घ) नियम पालन करने वाला (v) ऐसे व्यक्ति पर धिक्कार है : (क) जिसकी माता का शत्रु अपना करता है (ख) जिसके पास धन नहीं है (ग) जो अशिक्षित है (घ) जो संयमी नहीं	5
3	**निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** प्रश्न चिह्नों में उठी हैं भाग्य-सागर की हिलोरें, आँसुओं से रहित होंगी यह नयन की नमित कोरें ? जो तुझ्हें कर दे द्रवित वह अश्रुधारा चाहता हूँ, मैं तुझ्हारी मौन करुणा का सहारा चाहता हूँ। जोड़कर कण-कण कृपण आकाश ने तारे सजाये, जो कि उज्ज्वल है सही, पर किसी के काम आए ? प्राण ! मैं तो मार्गदर्शक एक तारा चाहता हूँ, मैं तुझ्हारी मौन करुणा का सहारा चाहता हूँ ।	5

यह उठा कैसा प्रभंजन ! जुड़ गई जैसे दिशाएँ,

एक तरणी, एक नाविक और इतनी आपदाएँ,

क्या कहूँ मँझधार में ही मैं किनारा चाहता हूँ,

मैं तुझ्हारी मौन करुणा का सहारा चाहता हूँ।

(i) आँसूओं से क्या रहित होगा ?

(क) नयन की नमित कोरें (ख) प्रश्न चिह्न

(ग) एक तरुणी (घ) उज्ज्वल गाथा

(ii) कवि किसका सहारा चाहता है ?

(क) मौन खुशी का (ख) मौन करुणा का

(ग) मौन प्रतिवाद का (घ) मौन स्वागत का

(iii) आकाश ने तारे कैसे सजाए ?

(क) सूरज बुलाकर (ख) चंद्रमा बुलाकर

(ग) कृपण जोड़कर (घ) नक्षत्रों से

(iv) कवि क्या चाहता है ?

(क) उछलना (ख) पूरा आकाश

(ग) पूरी धरती (घ) मार्गदर्शक एक तारा

(v) कवि कहाँ किनारा चाहते हैं ?

(क) छज्जे पर (ख) मँझधार पर

(ग) बीच समुद्र में (घ) राह पर

4 **निज़लिखित काव्यांश को पढ़कर, दिये गए प्रश्नों के उत्तरों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** 5

आ रही रवि की सवारी

नव किरण का रथ सजा है,

कलि कुसुम से पथ सजा है,

बादलों-से-अनुचरों ने, स्वर्ण की पोशाक धारी।

आ रही रवि की सवारी।

विहग, बंदी और चारण,

गा रहे हैं, कीर्ति-गायन,

छोड़कर मैदान भागी, तारकों की फौज सारी।

चाहता उछलूँ विजय कह

पर ठिठकता देखकर यह

रात का राजा खड़ा है, राह में बनकर भिखारी

आ रही रवि की सवारी।

	(i)	किसकी सवारी आ रही है ? (क) चाँद की। (ख) रवि की। (ग) दूल्हे की। (घ) चीटियों की।	
	(ii)	किससे पथ सजाया गया है ? (क) फूलों से। (ख) मलमल से। (ग) काँटों से। (घ) रेत से।	
	(iii)	मैदान छोड़कर कौन भागी ? (क) सूरज की रोशनी। (ख) चाँद। (ग) तारकों की फौज। (घ) पुरुष।	
	(iv)	रात का राजा चाँद कैसे खड़ा है ? (क) राजकुमार जैसा बनकर। (ख) पहाड़ जैसा बनकर। (ग) पेड़ जैसा बनकर। (घ) भिखारी बनकर।	
	(v)	विहग क्या गा रहे हैं ? (क) कीर्ति गीत। (ख) संगीत। (ग) दुख भरे गीत। (घ) प्रतिवादी गीत।	
		खण्ड ख **(व्यावहारिक व्याकरण)**	
5	(क)	निज़लिखित शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए : अवसाद, हृदय	5
	(ख)	डण्डा–में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।	
	(ग)	आवँला–में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कर शब्द को दोबारा लिखिए।	
	(घ)	रोजे –में उचित स्थान पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए।	
6	(क)	निज़लिखित शब्दों में संधि कीजिए : निः + पाप, मातृ + आज्ञा	4
	(ख)	निज़लिखित शब्दों का सन्धिविच्छेद कीजिए : निर्बल, गंगोर्मि	
7	(क)	निज़लिखित शब्द में से मूल शब्द व प्रयुक्त उपसर्ग को अलग–अलग कीजिए। सशक्त	6
	(ख)	निज़लिखित शब्दों में से मूल शब्द व प्रयुक्त प्रत्यय को अलग–अलग कीजिए। नम्रता, तरावट	
	(ग)	निज़लिखित वाक्यों में उचित विराम–चिह्न लगाकर लिखिए। (i) हम प्रायः प्रकृति के आकाश, पृथ्वी जलाशयों आदि रूपों का वर्णन करते हैं (ii) कबीर रैदास मीरा भक्तिकाल के प्रसिद्ध कवि हैं	

		(iii) कहीं घूमने चलते हैं पिताजी बोले	
		खण्ड ग	
		(पाठ्य-पुस्तक)	
8		**पठित पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** (2+2+1)	
	(i)	भगवाना की मृत्यु पर घर की क्या दुर्दशा हुई? 'दुख का अधिकार' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
	(ii)	अंतरिक्ष यात्रियों के विषय में पाठ में क्या कहा गया है?	2
	(iii)	बचेन्द्रीपाल एवरेस्ट के प्रति अपना आकर्षण कैसे सिद्ध करती हैं?	1
	9	'धूल भरे हीरे' से लेखक का क्या तात्पर्य है? हीरे तथा धूल के संदर्भ में शिशु की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।	5
	10	**निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (2+2+1)** जैसे मैं उठी, मैंने अपने हाथ जोड़े और मैं अपने रज्जु-नेता अंगदोरजी के प्रति आदर भाव से झुकी। अंगदोरजी जिन्होंने मुझे प्रोत्साहित किया और मुझे लक्ष्य तक पहुँचाया। मैंने उन्हें बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट की दूसरी चढ़ाई चढ़ने पर बधाई भी दी। उन्होंने मुझे गले से लगाया और मेरे कानों में फुसफुसाया, ''दीदी, तुमने अच्छी चढ़ाई की। मैं बहुत प्रसन्न हूँ!'' कुछ देर बाद सोनम पुलजर पहुँचे और उन्होंने फोटो लेने शुरू कर दिए। इस समय तक ल्हाटू ने हमारे नेता को एवरेस्ट पर हम चारों के होने की सूचना दे दी थी। तब मेरे हाथ में वॉकी-टॉकी दिया गया। कर्नल खुल्लर हमारी सफलता से बहुत प्रसन्न थे। मुझे बधाई देते हुए उन्होंने कहा, ''मैं तुम्हारी इस अनूठी उपलब्धि के लिए तुम्हारे माता-पिता को बधाई देना चाहूँगा!'' वे बोले कि देश को तुम पर गर्व है और अब तुम ऐसे संसार में वापस जाओगी, जो तुम्हारे अपने पीछे छोड़े हुए संसार से एकदम भिन्न होगा! (क) अंगदोरजी के प्रति बचेन्द्री पाल के मन में अतिरिक्त सम्मान क्यों था? (ख) दल के नेता कर्नल खुल्लर ने बचेन्द्री पाल की सफलता के लिए क्या भावना व्यक्त की? (ग) बचेन्द्री पाल के लिए संसार अब बिल्कुल भिन्न क्यों होगा?	5
		पठित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (2+2+1)	
	11(i)	आदमी के चरित्र की विविधता दिखाने के लिए 'नज़ीर अकबराबादी' की कविता से दो-दो उदाहरण दीजिए।	2
	(ii)	कवि रैदास कैसी भक्ति करना चाहते हैं?	2
	(iii)	रहीम फटे दूध का उदाहरण क्यों देते हैं?	1
	12	नामदेव, कबीर, सधना और सैन किस प्रकार तर गए? इनकी क्या विशेषता थी?	5
	13	अधिकतर बच्चे झूठ भी नहीं बोलते और बेईमानी भी नहीं करते, 'स्मृति' पाठ के आधार पर सोदाहरण सिद्ध कीजिए।	5
		खण्ड घ	
		(लेखन)	
		दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर **किसी एक** विषय पर लगभग **80 से 100** शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।	
	14(i)	**उपभोक्तावादी संस्कृति** (क) दिखावे की होड़	5

		(ख) भौतिक सुख (ग) दिखावे के दुष्परिणाम	
	(ii)	**नशा और आज का युवा** (क) नशा क्या है और क्यों? (ख) नशा के प्रकार (ग) हानि से दूर रहने के उपाय	5
	(iii)	**पाश्चात्य संस्कृति और युवा** • संस्कृति का अर्थ • पाश्चात्य संस्कृति का युवाओं पर प्रभाव • आज का युवा और भारतीयता के प्रति दायित्व	5
	15	आपके मित्र ने नया मोबाइल फोन लिया है और वह अधिक समय फोन पर ही बिताता है। आप मोबाइल के दुष्प्रभावों का वर्णन करते हुए अपने मित्र को सलाह देते हुए पत्र लिखिए।	5
	16	दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग **20-30** शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए। 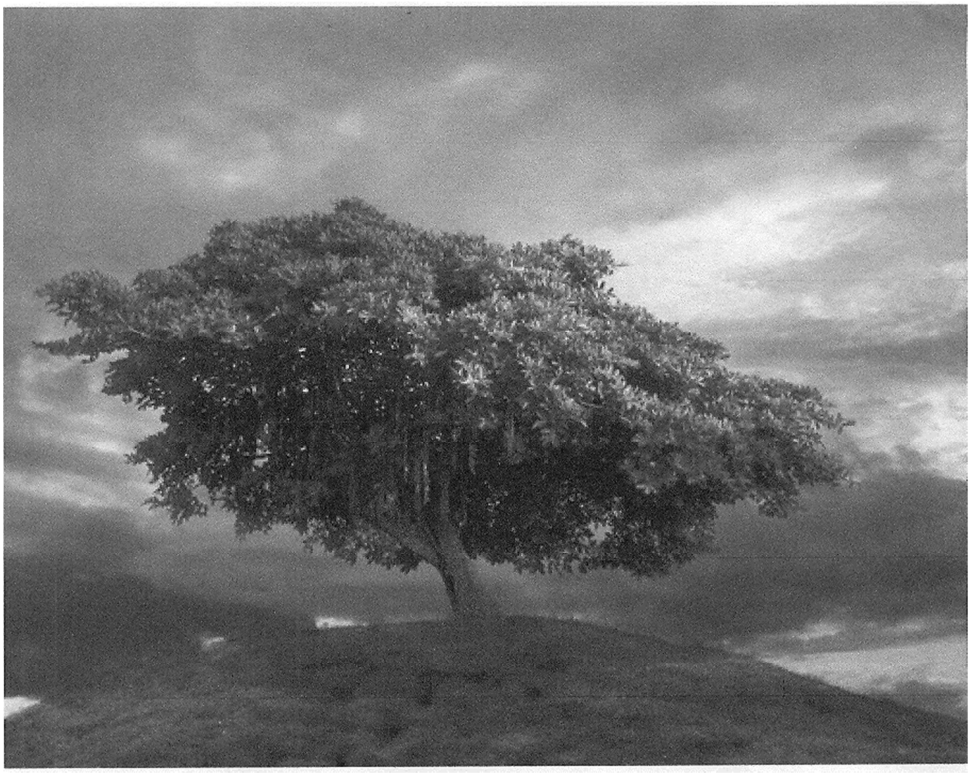	5
	17	किसी पर्यावरणविद के आने की तैयारी के संदर्भ में अपनी प्राचार्या एवं अध्यापिका के बीच होने वाले संवाद को अपनी भाषा में लगभग **50** शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।	5
	18	आपका छोटा भाई एक महीने से लापता है। उसको ढूँढ़ने हेतु अख़बार में देने के लिए **20-25** शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए।	5
		-o0o0o0o-	